को मुक्त विद्यालय व्यवस्था के जरिये कम-से-कम माध्यमिक शिक्षा पूरी करने को लेकर प्रेरित करने के लिए राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान शुरू करने की योजना पर भी विचार कर रही है और कहा कि हर साल पांच लाख छात्र इस व्यवस्था के जरिये अपनी शिक्षा पूरी कर रहे हैं और लक्ष्य दस लाख का होना चाहिए।

वोकेशनल कोर्सेज

दसवीं और बारहवीं के आलावा कई प्रकार के वोकेशनल कोर्सेज हैं जो ओपन स्कूल्स उपलब्ध कराता है जैसे फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटी कल्चर, जेरियाट्रिक केयर, हेयर स्टाइलिस्ट, फुटवियर टेक्नोलॉजी एंड लेदर गुड्स मेकिंग, ज्वैलरी डिजाइनिंग, ट्रैवल एंड टिकटिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग, फाइनेंस, अकाउंटेंसी एंड ऑडिटिंग, इलेक्ट्रॉनिक इन्स्ट्रूमेंट्स रिपेयरिंग आदि इसके आलावा इंजीनियरिंग, पैरामेडिकल, मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट, फायर एंड सेफ्टी, कंप्यूटर और आईटी से जुड़े 100 से भी ज्यादा कोर्सेज हैं जिसको करके अभ्यर्थी एक अच्छा करियर बना सकता है।

योग्यता और आवेदन

सेकेंडरी कोर्स में प्रवेश के लिए आठवीं पास होना जरूरी है। सीनियर सेकेंडरी सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं पास अनिवार्य है। सेकेंडरी तथा सीनियर सेकेंडरी सर्टिफिकेट के माध्यम से किसी भी वोकेशनल कोर्स में एडमिशन लिया जा सकता है। ओपन स्कूल्स में प्रवेश के लिए आप ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या फिर उसके सेंटर्स पर जा कर भी आवेदन पत्र भर सकते हैं। वोकेशनल कोर्सेज के लिए पूरे वर्ष एडमिशन चालू रहते हैं। अभ्यर्थी किसी भी वक्त ओपन स्कूल्स से वोकेशनल कोर्स करके सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकता है।

संगठन की ओर से स्कूल स्तर की शिक्षा के अलावा वोकेशनल कोर्स भी कराए जाते हैं। इसके अंतर्गत आप अपनी जरूरत के अनुसार कोई भी विषय चुन सकते हैं। इसके साथ एक भाषा संबंधी विषय भी चुनना अनिवार्य होता है। प्रवेश लेने वालों के लिए अधिकतम आयु सीमा नहीं होती है।

प्रमुख संस्थान

- राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नोएडा, www.nios.org
- ग्रामीण मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली, www.gmvss.ac.in
- राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल, जयपुर www.rsos.rajasthan.gov.in
- छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर www.cgsos.in
- हिमाचल प्रदेश ओपन स्कूल, धर्मशाला www.hpbose.org

TECHTREND

एसएमई अपनाएंगे डिजिटल रास्ता

आइबॉल उद्योग के साथ, जीएसटी के लिए संतुलित परितंत्र का निर्माण करते हुए छोटे व मंझोले उपक्रमों के लिए एक नई दुनिया खोलने का लक्ष्य है।

जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। भारत में अब तक के सबसे बड़े कराधान सुधार माने जा रहे जीएसटी की नई कर संरचना देश को एक समान बाजार में बदल देगी। बहरहाल, इस कर व्यवस्था को सहजता से लागू करने के लिए तकनीक का अपनाया जाना आज संभवतः सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। जीएसटी के साथ, उम्मीद है कि करीब 50 मिलियन छोटे और मंझोले उपक्रम (एसएमई) डिजिटल राह अपनाएंगे, जिनमें से 20 मिलियन से अधिक इस तकनीक का पहली बार उपयोग करने वाले होंगे। इस जरूरत को समझते हुए, अपने नवोन्मेषी और नवीनतम तकनीकी उत्पादों के लिए जाना जाने वाला ब्रांड आइबॉल जीएसटी रेडी विंडोज 10 लैपटॉप आया है। यह व्यावसायों को एक अत्यंत सस्ते और आसान तरीके से जीएसटी अपनाने की सुविधा देगा।

आइबॉल पूरे भारत में आईटी का मजबूत बुनियादी ढांचा उपलब्ध करा रहा है। इसने उद्योग के दिग्गजों के साथ, जीएसटी के लिए संतुलित परितंत्र का निर्माण करते हुए छोटे व मंझोले उपक्रमों और एंटरप्राइजेज के लिए संभावनाओं की एक बिल्कुल नई दुनिया खोलने का लक्ष्य रखा है।

इस सहयोग के बारे में आइबॉल के सीईओ और निदेशक संदीप परसरामपुरिया ने कहा, 'जीएसटी भारत में व्यापार के लिए सबसे बड़े सुधारों में से एक है। जीएसटी के तहत लाखों नए कारोबार पंजीकृत होंगे। उन्हें जीएसटी की जरूरतों को पूरा करने वाले लैपटॉप तथा समाधान के वहन करने योग्य और भरोसेमंद संयोजन की आवश्यकता होगी। इसलिए, जीएसटी सॉफ्टवेयर डेवलपर के सहयोग से आइबॉल जीएसटी के लिए सबसे सस्ती कीमत पर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का सबसे अच्छा मिश्रण पेश करने का लक्ष्य रखता है।'

उचित मूल्य पर तकनीक की पेशकश के अलावा, आइबॉल का उद्देश्य एसएमई को नये कर सुधार में आसानी से अंतरण करने के लिए आश्वस्त करना और उनके कामकाज एवं परिचालन में डिजिटल माध्यम को शामिल करने में मदद करना है। जीएसटी रेडी लैपटॉप की पेशकशें एक सप्ताह के भीतर भारत भर में उपलब्ध हो जाएंगी। आइबॉल के जीएसटी रेडी कॉम्पबुक विंडोज 10 लैपटॉप 9,999 रुपये, 12,999 रुपये और 14,299 रुपये की कीमतों में उपलब्ध होंगे। आइबॉल कॉम्पबुक लैपटॉप्स चुनिंदा स्टोर्स पर जीरो ब्याज के ईएमआई विकल्प के साथ भी उपलब्ध हैं।

कॉम्पबुक लैपटॉप के साथ मुफ्त जीएसटी सॉफ्टवेयर ऑफर उपलब्ध

50 मिलियन छोटे व मंझोले उपक्रम डिजिटल राह पर	20 मिलियन इस तकनीक का पहली बार उपयोग करेंगे